मनसा सेवा - 17

➢➢ मनसा सेवा का प्लान

➳ _ ➳ मनसा सेवा करने का दृढ़ संकल्प

→ **करना ही है**

➳ _ ➳ जो मनसा सेवा हम दूसरों की करते है, सबसे पहले वही सेवा हमें स्वयं की करनी होती है

→ दूसरो को शांति का दान देने से पहले खुद को शांति से भरपूर करना है

→ दूसरों को शक्तियों का दान देने से पहले खुद को शक्तियों से भरपूर करना है

➳ _ ➳ किस समय और कितना समय करनी है ?

→ सुबह और शाम

➳ _ ➳ कैसे / किस विधि से करनी है ?

→ आत्माओं का आह्वान करना

→ आत्माओं से रूहरिहान करना

→ आत्माओं को किरनें देना

→ आत्माओं को तिलक देना

→ आत्माओं को वरदान देना

→ आत्माओं को इष्ट देव का साक्षातकार कराना

→ आत्माओं को परमात्मा का साक्षातकार कराना

→ आत्माओं को मुक्ति जीवनमुक्ति का वर्सा दिलवाना

→ उन्हें नज़र से निहाल कर उन्हें भी फ़रिश्ते स्वरुप में स्थित कर आप समान बना देना

➳ _ ➳ किसकी मनसा सेवा करनी है ?

→ कमजोर आत्माओं को शक्ति का साकाश

→ अपवित्र आत्माओं को पवित्रता का साकाश

→ दुखी आत्माओं को सुख का साकाश

→ अशांत आत्माओं को शांति का साकाश

→ निराश आत्माओं को उमंग / उत्साह का साकाश

Avyakt Murli Refrence :- Page Number 13 & 14 Of Mansa Sewa Book